>

TitlePoor conditions of National Highways in Satna Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय का ध्यान मध्य प्रदेश में विशेष रूप से मेरे लोकसभा क्षेत्र सतना में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 एवं 75 की अत्यंत खराब एवं जर्जर हालत की ओर दिलाना चाहता हूं। पहले इन दोनों सड़कों की मरम्मत का दायित्व राज्य सरकार के पास था। जब से इस विभाग के मंत्री श्री कमलनाथ जी बने, तब से प्रदेश की हजारों किलोमीटर सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं लेकर एनएचएआई को दे दिया। आज एनएच 7 की हालत बेला से झुकेही तक अत्यंत खराब है। पूरी सड़क गड्ढों में समाहित हो गयी है। इसी सड़क के ऊपर मैहर में फ्लाई ओवर बनाने का काम अब तक प्रारंभ नहीं हो पाया है, जबकि राज्य सरकार ने अपना हिस्सा दे दिया है। इसी तरह एनएच 75 छतरपुर से बेला तक इतनी खराब एवं जर्जर हो गयी है कि रोज सड़क दुर्घटनायें हो रही हैं, लेकिन उसका सुधार नहीं हो पाया है। इसी सड़क में सतना नगर के पहले सोहावल मोड़ से होते हुए मटेहना औद्योगिक क्षेत्र होते हुए टमस नदी में नया पुल बनाकर सिधौली में मिलाने का प्रस्ताव लंबे समय से विचाराधीन है। मैं उसकी तत्काल स्वीकृति की मांग करता हूं। इसी तरह दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों को भी चार लाइन बनाने की मांग करता हूं।

महोदय, दो मार्च को मेरे एक प्रश्न के उत्तर में माननीय राज्य मंत्री ने जवाब दिया कि केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत म. प्र. ने 83 प्रस्ताव भेजे थे, लेकिन अब तक 56 प्रस्ताव स्वीकृत किए, लेकिन बाकी प्रस्ताव बिना किसी कारण के वापस कर दिए गए। मैं मांग करता हूं कि मेरे लोकसभा क्षेत्र में रामपुर से अवेर तक की सड़क, बगहाई, सिजहटा, हिनौती, टमस नदी में पुल, मलगांव, गौरहया, खम्हरिया, सेमरावल नदी में पुल, अकौना होते हुए अवेर तक बनाने का कष्ट करें।